SET – 3

Series : GBM/1/C

कोड नं.
Code No. **29/1/3**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*
*Time allowed : **3** hours* | *Maximum Marks : **100***

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

खंड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **15**

कौटिल्य ने जब 'अर्थशास्त्र' लिखा तो उन्हें स्वप्न में भी यह विचार न आया होगा कि राजनीति या नीति सूचक यह अर्थ 'अर्थ' के अन्य सभी अर्थों से हटकर केवल इसके 'रुपया' अर्थ से ही चिपक जाएगा । प्राचीन भारत में अर्थ पुरुषार्थ था, मानवमूल्य था । सबके हित को ध्यान में संग्रह करना और उसका वितरण करना अर्थ है । इसका व्यावहारिक रूप या लौकिक रूप भी है और इसका पारमार्थिक या लोकोत्तर रूप भी है । व्यावहारिक स्तर पर अर्थ धन है, सम्पत्ति है और समस्त चर्चा और ज्ञान का स्थूल विषय है, क्योंकि वह पदार्थ भी है । इस अर्थ से सबका सरोकार है । कामकाज इसके माध्यम से चलता है, लेन-देन चलता है, वार्ता चलती है, बहस चलती है । पर इस अर्थ के साथ भी कुछ जानी-मानी अलिखित शर्तें होती हैं, वे सामाजिक स्वीकृति और परस्पर विश्वास पर आधारित होती हैं । आप जो वाक्य कह रहे हैं उसके पीछे आपका मन्तव्य स्पष्ट है और वह वही अर्थ है जो दूसरे को उस वाक्य से स्पष्ट लगता है । यह बात न हो तो आदमी एक-दूसरे से बात न करे । इसी वज़न पर हम किसी से कुछ लेते हैं तो देने वाले को विश्वास रहता है कि हमारी आवश्यकता सही माने में है, लेने वाले को विश्वास रहता है कि देने वाले के पास से वह वस्तु मिल जाएगी ।

सहायता देना और लेना दोनों परिस्थिति की विवशता हैं । धन को तो तेल की बूँद की तरह फैलना-ही-फैलना है, क्योंकि लक्ष्मी स्थिर नहीं रह सकती । पर सहायता लेने वाले का भी कर्तव्य होता है कि सहायता लेते समय अपनी आवश्यकता, खर्च करने की अपनी क्षमता और उसके आधार पर अपने को समर्थतर बनाने का संकल्प कितना है, इसे नापे और उसी अनुपात में सहायता ले, उसका उचित उपयोग करे । हिन्दुस्तान का किसान कर्ज़ से बड़ा घबराता रहा है, और हिन्दुस्तान का जमींदार कर्ज़ देना अपनी शान समझता था । आज प्रबुद्ध वर्ग कर्ज़ को शान समझता है और बैंक उसकी इस थोथी शान पर पनप रहे हैं । यह बात और है कि बैंकों से बड़े उद्योगपति अरबों डकार जाते हैं, पर मध्यवर्ग कुर्की भोगने की स्थिति में भी पहुँच जाता है । इनमें कौन सही है, कौन गलत, यह आने वाला समय बतलाएगा ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

(ख) कौटिल्य के प्रयोग और आज के प्रयोग में 'अर्थ' की अर्थयात्रा समझाइए । **(2)**

(ग) अर्थ को पुरुषार्थ के समकक्ष क्यों रखा गया ? **(2)**

(घ) व्यावहारिक स्तर पर अर्थ की क्या उपयोगिता है ? **(2)**

(ङ) जानी-मानी अलिखित शर्तों से लेखक का क्या अभिप्राय है ? **(2)**

(च) लेन-देन करने वालों में परस्पर विश्वास किस आधार पर होता है ? **(2)**

(छ) सहायता लेते समय लेने वाले से क्या अपेक्षित है ? **(2)**

(ज) 'बैंक इस थोथी शान पर पनप रहे हैं' – टिप्पणी कीजिए । **(2)**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

हरा-हरा कर, हरा–
हरा कर देने वाले सपने ।
कैसे कहूँ पराये, कैसे
गरब करूँ कह अपने !
भुला न देवे यह 'पाना' –
अपनेपन का खो जाना,
यह खिलना न भुला देवे
पंखड़ियों का धो जाना,
आँखों में जिस दिन यमुना–
की तरुण बाढ़ लेती हूँ
पुतली के बन्दी की
पलकों नजर झाड़ लेती हूँ ।
दूर न रह, धुन बंधने दे
मेरे अन्तर की तान,
मन के कान, अरे प्राणों के
अनुपम भोले भान ।
रे कहने, सुनने, गुनने
वाले मतवाले यार
भाषा, वाक्य, विराम बिंदु
सब कुछ तेरा ब्यापार,
किन्तु प्रश्न मत बन,
सुलझेगा–
क्योंकर सुलझाने से ?
जीवन का कागज कोरा मत
रख, तू लिख जाने दे ।

(क) आँसू बहने और फिर पोंछ लिए जाने पर कवयित्री ने क्या कल्पना की है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) पराजित करके भी मन को प्रसन्न कर देने वाले सपनों को लेकर कवयित्री के मन में क्या द्वंद्व है ?

(ग) मन से स्वयं प्रश्न न बनने का आग्रह क्यों किया गया है ?

(घ) अलंकार पहचानिए और मुहावरे का भाव स्पष्ट कीजिए :

'हरा-हरा कर हरा-हरा कर देने वाले सपने'

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

"जीवन का कागज़ कोरा मत रख, तू लिख जाने दे ।"

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

खंड – ख

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

(क) भारतीय त्योहार

(ख) मेरा प्रिय साहित्यकार

(ग) योग और स्वास्थ्य

(घ) महिला सशक्तीकरण

4. सड़क दुर्घटनाओं में तत्काल चिकित्सा सुविधा न मिलने के दुष्परिणामों के बारे में किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान के दो सुझाव भी दीजिए । **5**

अथवा

कुछ समाचार चैनल जाँच और सत्यापन किए बिना कभी-कभी ऐसी काल्पनिक घटनाओं के समाचार प्रस्तुत करते हैं जिनसे समाज में वैमनस्य और अशांति फैलने की संभावना हो सकती है । उन पर तुरंत अंकुश लगाने का अनुरोध करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री को पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **1 × 5 = 5**

(क) विशेष लेखन का आशय समझाइए ।

(ख) शंका-संदेह करना पत्रकार का अच्छा गुण क्यों माना गया है ?

(ग) मीडिया में द्वारपाल किन्हें कहा जाता है ?

(घ) हिंदी में कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले किन्हीं दो विदेशी चैनलों के नाम लिखिए ।

(ङ) मुद्रण माध्यम की दो विशेषताएँ लिखिए ।

6. 'कालाधन' **अथवा** 'स्वच्छ भारत' विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

खंड – ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग-संचय
यह गोरस – जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत-पय
यह अंकुर – फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय
यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत : इसको भी शक्ति को दे दो ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'कार्नेलिया का गीत' के आधार पर महान भारत की विशेषताओं का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए ।

(ख) 'विद्यापति' के संकलित पदों के आधार पर नायिका की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'वसंत आया' कविता में कवि की मुख्य चिंता क्या है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **दो** का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े ।
नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।

(ख) मामा-मामी का रहा प्यार,
भर जलद धरा को ज्यों अपार;
वे ही सुख-दुख में रहे न्यस्त,
तेरे हित सदा समस्त व्यस्त;

(ग) चढ़कर मेरे जीवन-रथ पर,
प्रलय चल रहा अपने पथ पर ।
मैंने निज दुर्बल पद-थल पर,
उससे हारी-होड़ लगाई ।

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

ये द्रष्टा नहीं हैं, इनकी आँखें अतीत की ओर हैं । ये स्रष्टा नहीं हैं, इनके दर्पण में इन्हीं की अहंवादी विकृत्तियाँ दिखाई देती हैं, लेकिन जिन्हें इस देश की धरती से प्यार है, इस धरती पर बसने वालों से स्नेह है, जो साहित्य की युगांतरकारी भूमिका समझते हैं, वे आगे बढ़ रहे हैं । उनका साहित्य जनता का रोष और असंतोष प्रकट करता है, उनको आत्मविश्वास और दृढ़ता देता है ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **4 + 4 = 8**

(क) हिंदी–उर्दू के विषय में रामचंद्र शुक्ल के विचारों का उल्लेख करते हुए अपना मत लिखिए कि क्या ये दोनों एक ही भाषा की दो शैलियाँ हैं ? पुष्टि में एक तर्क भी दीजिए ।

(ख) संग्रहालय के लिए धरोहरों को एकत्र करने में 'कच्चा चिट्ठा' के लेखक के प्रयासों पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'शेर' कथा की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए इसके संदेश का उल्लेख कीजिए ।

12. निर्मल वर्मा **अथवा** हजारीप्रसाद द्विवेदी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा–शैली की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । **6**

अथवा

'जायसी' **अथवा** केदारनाथ सिंह के जीवन और रचनाओं का परिचय देते हुए उनकी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

sखंड – घ

13. 'सूरदास' के जीवन से प्राप्त होने वाले जीवन–मूल्यों का उल्लेख कर आज के संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता समझाइए । **5**

14. (क) 'अपना मालवा' के माध्यम से लेखक ने पर्यावरण से जुड़े किन मुद्दों को उठाया है ? किन्हीं तीन का उल्लेख कर उनका समाधान भी सुझाइए । **5**

(ख) 'आरोहण' कहानी के प्रमुख पात्र के जीवन संघर्ष पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । **5**

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform